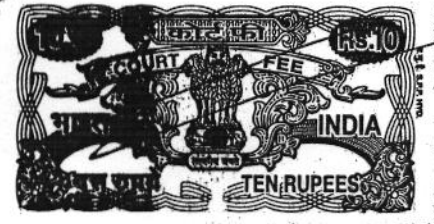
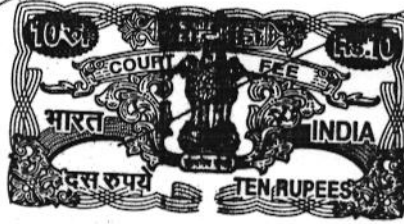


(46)



न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल मो प्रो महोदय, ग्वालियर मो प्रो

निगरानी क्रं-

/2012

ef. 13/30/12

सी.एस.के. 4/03
दस्तावेज प्रस्तुत है
13.8.12

R.M.

13.8.12

R-2790-II/12

1. प्यारेलाल तनय बाबू टीमर आयु 40 वर्ष
 2. देवराज तनय बाबू टीमर आयु 30 वर्ष
- निवासी ग्राम टोड़ी कुंकोयलन तहसील पृथ्वीपुर
जिला टीकमगढ़ मो प्रो

--निगराकारण

वनाम

1. मुनुआ तनय गैरधारी नाई आयु 70 वर्ष
 2. गोवमलेश तनय रमू उर्फ हुटला नाई आयु 45 वर्ष
- दोनों निवासी ग्राम टोड़ी तहसील पृथ्वीपुर
जिला टीकमगढ़ मो प्रो
3-4-8-21/12/12

--प्रीतीनगराकारण

निगरानी अन्तर्गत धारा- 50 मो प्रो भू-राज संहिता,

निगरानी प्रतिकूल निर्णय एवं आदेश विधान अधिनियम न्यायालय नायब तहसीलदार सिमरा के प्रकरण क्रमांक- 18/अ-12/11-12 में पारित आदेश दिनांक- 7.8.2012 के विरुद्ध जिसके तहत निगराकारण के स्वत्व व आधिपत्य की भूमि का रक्वा 0.700 अरे भूमि प्रीतीनगराकारणी के पक्ष में निकाल दी है।

महोदय,

निगरानी के प्रमुख आधार निम्न प्रकार हैं :-

1/- यह कि अधिनियम न्यायालय का निर्णय एवं आदेश विधि विधान एवं मूल पत्रावली के सर्वथा प्रतिकूल है। यह

2/- यह कि प्रकरण का संक्षिप्त सार यह था कि प्रीतीनगराकारण के भूमि खसरा नम्बर- 100/1ख, रक्वा 1.619 हेक्टेयर स्थित ग्राम टोड़ी तहसील पृथ्वीपुर जिला टीकमगढ़ मो प्रो में निगराकारण के पक्ष में निकाल दी है।

327
राजस्थान पोस्ट द्वारा
दिनांक 17-8-12 को प्राप्त
[Signature]

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी-2790-दो/2012

जिला टीकमगढ़

प्यारेलाल विरूद्ध मुनुआ

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
21-12-2018	<p>1. प्रकरण प्रस्तुत ।</p> <p>2. आवेदक की ओर से अभिभाषक श्री धर्मेन्द्र चतुर्वेदी उपस्थित ।</p> <p>3. प्रस्तुत निगरानी नायब तहसीलदार सिमरा के सीमांकन आदेश दिनांक 07-08-2012 के विरूद्ध प्रस्तुत की गई थी ।</p> <p>4. म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 129 में किये गये संशोधनवर्ष 2018 के अनुसार सीमांकन आदेश के विरूद्ध आपत्ति सुनवाई के अधिकार अनुविभागीय अधिकारी को दिये गये है ।</p> <p>5. अतः प्रकरण सक्षम न्यायालय में सुनवाई हेतु अनुविभागीय अधिकारी को प्रत्यायोजित किया जाता है । उभय पक्ष दिनांक 24-01-2019 को अनुविभागीय अधिकारी के यहां उपस्थित हो । अधीनस्थ न्यायालय को अभिलेख भेजा जाये ।</p>	<p>(अस.के.जिन) 21.12.18 सदस्य</p>